[50] No. of printed pages: 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
BA (I Semester) Examination
Wednesday, 19 November 2014
2.30 - 5.30 pm
UA01CHLT01 - Hindi Paper I
आधुनिक हिन्दी काव्य

Total Marks: 70

सूचना : हिन्दी में शिरोरेखा देना अनिवार्य है ।

प्र.१ सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(कोई तीन)** (१५)

(अ) मांगो, मांगो दान, अन्न या वसन, धाम या धन दूँ ?
अपना छोटा राज्य या कि यह क्षणिक क्षुद्र जीवन दूँ ?
मेघ भले लौटे उदास हो किसी रोज सागर से,
याचक फिर सकते निराश पर, नहीं कर्ण के घर से ।

(ख) ''तेजस्वी सम्मान खोजते नहीं गोत्र बतला के,
पाते हैं जग से प्रशस्ति अपना करतब दिखला के ।
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,
वीर खींच कर ही रहते हैं इतिहासों में लीक ।''

(ग) 'जाति ! हाय री जाति !' कर्ण का हृदय क्षोभ से डोला,
कुपित सूर्य की ओर देख वह वीर क्रोध से बोला ।
जाति-जाति रटते, जिनकी पूँजी केवल पाखंड,
मैं क्या जानूँ जाति ? जाति हैं ये मेरे भुजदंड ।

(घ) हाय ! कर्ण, तू क्यों जन्मा था ? जन्मा तो क्यों वीर हुआ?
कवच और कुंडल-भुषित भी तेरा अधम शरीर हुआ?
धँस जाये वह देश अतल में गुण की जहाँ नहीं पहचान?
जाति-गोत्र के बल से ही आदर पाते हैं जहाँ सुजान?

(ड) परशुराम का शिष्य कर्ण, पर जीवन दान न माँगेगा,
बडी शांति के साथ चरण को पकड़ प्राण निज त्यागेगा।
प्रस्तुत हैं दे शाप, किन्तु अंतिम सुख तो यह पाने में
इन्हीं पाद-पदमों के उपर मुझको प्राण गँवाने दे ।

प्र.२ रश्मिरथी खंडकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में बताते हुए उसका उद्देश्य स्पष्ट कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखिए ।
(क) 'रश्मिरथी' का नामकरण ।

(ब) कर्ण–कुंती संवाद ।

प्र.३ ''मनुष्य की पहचान उसके कर्म है, नहीं की उसकी जाति व धर्म'' (२०)
– इस कथन के आधार पर कर्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

अथवा

प्र.३ टिप्पणी लिखिए ।
(क) 'रश्मिरथी' की समस्याएँ ।
(ख) 'रश्मिरथी' खंडकाव्य का अंत ।

प्र.४ निम्नालिखित अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **(किन्हीं पंद्रह)** (१५)

(१) कृपाचार्य ने कर्ण को क्या पूछा?

(२) कुंती ने नवजात शिशु को क्यों त्याग दिया?

(३) कर्ण की जाति पूछने पर कुंत्ती के पाँव क्यों डगमगाने लगे?

(४) 'रश्मिरथी' नाम किसके लिए प्रयुक्त है? क्यों?

(५) कर्ण को देखकर परशुराम को क्यों ऐसा लगा कि वह ब्राह्मण है?

(६) कर्ण दुर्योधन का साथ क्यों नहीं छोड़ना चाहता?

(७) कर्ण को लेकर पांडवो के मन में क्या डर था?

(८) कर्ण का प्रतिदिन का क्या नियम था?

(९) सूर्य ने कर्ण को क्यों सावधान किया?

(१०) अपनी लज्जा छिपाने के लिए इन्द्र ने कर्ण से क्या कहा?

(११) कुंती कर्ण से मिलने क्यों आती है?

(१२) घटोत्कच की मृत्यु पर पांडव पक्ष और कौरव पक्ष में कौन उत्साहित होता है?

(१३) कर्ण का सारथि कौन था? पांडवो से उसका क्या सम्बन्ध था?

(१४) अश्वसेन सर्प ने कर्ण से क्या कहा?

(१५) 'रश्मिरथी' का नायक कौन है?

(१६) 'रश्मिरथी' खंडकाव्य के कितने सर्ग है?

(१७) 'रश्मिरथी' खंडकाव्य के कवि कौन है?

(१८) कर्ण को राधेय क्यों कहा जाता है?

* * *